'नमन'
रचनाकारों से

- 'नमन' एक सान्दर्भिक शोध-पत्रिका है। इसमें प्रकाशित होने वाले शोध-पत्र विषय-विशेषज्ञ की सहमति प्राप्त होने के पश्चात् ही प्रकाशन-योग्य माने जायेंगे। अतः शोध-पत्र भेजते समय इस बात का ध्यान रखें कि अपने शोध-पत्र को दो प्रतियों में भेजें। हार्ड कॉपी (सीडी) भी अवश्य भेजें। वापस भेजे जाने हेतु शोध-पत्र के वजन के अनुरूप पता सहित डाक टिकट लगा लिफाफा अवश्य संलग्न करें।
- रचनाओं के साथ पोस्टकार्ड संलग्न होने पर ही प्राप्ति की सूचना भेजी जायेगी।
- डाक टिकट लगा लिफाफा संलग्न होने पर अस्वीकृत रचना लौटायी जा सकती है।
- शोध-पत्र ए-४ साइज के कागज पर ही सिर्फ एक तरफ डबल स्पेस में टाइप होना चाहिए, जो अधिकतम १५ पृष्ठ तक हो।
- शोध-पत्र हिन्दी में प्रियंका-ए.पी.एस. टाइप साइज १३ प्वाइंट में टाइप कराकर ही भेजें।
- शोध-पत्र में प्रयुक्त पाद-टिप्पणियों (Foot Notes) की क्रम संख्या को बढ़ते हुए क्रम में दें, न कि प्रत्येक पृष्ठ पर अलग से।
- शोध-पत्र मौलिक हो तथा पूर्व प्रकाशित न हो। यदि किसी विद्वान् के पूर्व प्रकाशित विचारों अथवा तथ्यों का उपयोग शोध-पत्र में किया गया हो, तो उसे अवश्य सन्दर्भित करें।
- कृतियों की समीक्षा के लिए पुस्तकों की दो प्रतियाँ भेजना अनिवार्य है।
- पत्रिका के १० वार्षिक सदस्य अथवा पाँच आजीवन सदस्य बनाने पर आपकी सदस्यता निःशुल्क हो जायेगी।
- हिन्दी साहित्य की विविध विधाओं की रचनाओं का 'नमन' स्वागत करता है।

वर्ष-१३ : अंक-२१-२२
नमन Naman
जुलाई २०१९-जनवरी २०२० (संयुक्तांक)

जुलाई २०१९-जनवरी २०२० (संयुक्तांक)
ISSN : 2229-5585

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुशंसित रही शोध-पत्रिका
क्रमांक ४९२९३

नमन Naman

सम्पादक
प्रो. श्रद्धा सिंह • डॉ. हिमांशु शेखर सिंह

वर्ष : १३ अंक : २१-२२